

कूलिनी स्त्री. (तत्.) नदी।

कूल्हा पुं. (देश.) 1. कोख के नीचे, कमर में पेट के दोनों ओर निकली हुई हड्डियाँ 2. कुश्ती का एक भेद, जिसमें पहलवान सामने खड़े हुए विपक्षी की पीठ पर दाहिनी तरफ से अपना दाहिना हाथ ले जाकर उसका दाहिनी ओर से जाँघिया पकड़ता है और अपने बाएँ हाथ से उसका दाहिना पहुँचा पकड़कर खींचता हुआ अपने कूल्हे पर से लाद पर सामने चित्त गिरा देता है। **मुहा.** कूल्हा उतरना या सरकना- गिरने या किसी आघात के कारण कूल्हे का अपने स्थान से हट जाना; कूल्हा मटकाना- घूँतड़ मटकाना।

कूवत स्त्री. (अर.) शक्ति, बल, ताकत।

कूवते जिस्मानी स्त्री. (अर.) शारीरिक शक्ति।

कूवर पुं. (तत्.) 1. रथ का वह भाग जिस पर जूआ बाँधा जाता है, युगंधर, हरसा 2. रथ में रथी के बैठने का स्थान 3. कुबड़ा 4. कुब्जक, कूजा। **वि.** मनोहर, सुंदर।

कूष्मांड पुं. (तत्.) 1. कुम्हड़ा 2. पेठा 3. वैदिक काल के एक ऋषि 4. एक प्रकार के पिशाच जो शिव के गण हैं 5. बाणासुर का प्रधानमंत्री।

कूष्मांडा स्त्री. (तत्.) नौ दुर्गा में से चौथी दुर्गा। दुर्गा का एक रूप।

कूष्मांडी स्त्री. (तत्.) 1. दुर्गा 2. यजुर्वेद की एक ऋचा, जिसके द्रष्टा कूष्मांड ऋषि थे।

कूकलास पुं. (तत्.) गिरगिट।

कूकाटिका स्त्री. (तत्.) कंधे और गले का जोड़, घाटी।

कूच्छ पुं. (तत्.) 1. कष्ट, दुःख 2. पाप 3. मूत्रकृच्छ्र रोग 4. कूच्छव्रत जिसमें पंचगव्य प्राशन कर दूसरे दिन उपवास किया जाए, कूच्छसांतपन **वि.** 1. कष्टसाध्य 2. कष्टयुक्त 3. दुष्ट, बुरा 4. पापी, पापात्मा।

कृत वि. (तत्.) करने या बनाने वाला, कर्ता, समासांत में प्रायः प्रयुक्त जैसे- ग्रंथकृत 2. किया हुआ, संपादित, बनाया हुआ, रचित जैसे- बाल्मीकि

कृत रामायण 3. संबंध रखनेवाला, तत्संबंधी पुं. (तत्.) 1. धातु के साथ मिलकर विशेषण आदि बनाने वाले प्रत्यय 2. उक्त प्रत्ययों के योग से बना हुआ शब्द 3. चार युगों में से पहला युग, सतयुग 4. पंद्रह प्रकार के दासों में से एक, वह दास जिसने कुछ नियत समय तक सेवा करने का व्रत लिया हो 5. एक प्रकार का पासा, जिसमें चार चिह्न बने होते हैं 6. चार की संख्या 7. फल, परिणाम 8. उद्देश्य, लक्ष्य 9. उपकार 10. कर्म, काम, कृत्य 11. युद्ध में प्राप्त धन या इनाम 12. देवता या सम्मानित व्यक्ति को अर्पित वस्तु।

कृतकर्मा पुं. (तत्.) 1. तीनों ऋणों (ऋषि, देव, पितृ) से मुक्त संन्यासी 2. परमेश्वर।

कृतकाम वि. (तत्.) जिसकी कामना पूरी हो गई हो।

कृतकार्य वि. (तत्.) जिसका प्रयोजन सिद्ध हो चुका हो, सफलमनोरथ, कामयाब।

कृतकृत्य वि. (तत्.) जिसका काम पूरा हो चुका हो, काम होजाने पर आदर, सम्मान श्रद्धा आदि सूचित करने के लिए कृतज्ञता प्रकट करना, कृतार्थ जैसे- आपने दर्शन देकर मुझे कृतकृत्य कर दिया।

कृतघ्न वि. (तत्.) किए हुए उपकार को न मानने वाला, अकृतज्ञ, नमकहराम।

कृतघ्नता स्त्री. (तत्.) किए हुए उपकार को न मानने का भाव, अकृतज्ञता, नमकहरामी।

कृतघ्नी वि. (तत्.) किए हुए उपकार को न मानने वाला, एहसानफरामोश।

कृतज्ञता स्त्री. (तत्.) किए हुए उपकार को मानने का भाव, निहोरा मानना, एहसानमंदी।

कृततीर्थ वि. (तत्.) 1. जो तीर्थस्थानों में भ्रमण कर चुका हो 2. अध्यापन वृत्ति वाले अध्यापक से शिक्षा प्राप्त करने वाला 3. जिसे तरकीब खूब सूझती है 4. पथप्रदर्शक 5. सरल किया हुआ।

कृतनिश्चय वि. (तत्.) जिसने दृढ़ निश्चय कर लिया हो, कृतसंकल्प, दृढ़प्रतिज्ञ।